Table of Contents

1. [illegible]
2. [illegible]
3. [illegible]
4. [illegible]
5. [illegible]
6. [illegible]
7. [illegible]
8. [illegible]
9. [illegible]
10. [illegible]

[illegible]

[illegible] 15 [illegible] 1861 [illegible] [illegible] [illegible]

छह वर्ष की आयु में विश्वेश्वरैया ने वर्षा, हवा, सूर्य और जलप्रपात जैसे प्राकृतिक दृश्यों को देखा और उनकी शक्ति को समझा। उन्होंने प्रकृति की असीम शक्ति को जानने की इच्छा जताई और जीवन भर सीखते रहने का संकल्प लिया।

उन्होंने गरीबी और सामाजिक असमानता के कारणों को समझने की कोशिश की, जो उनके जीवन के महत्वपूर्ण प्रश्न बने। उन्होंने परिवार के बड़ों और अध्यापकों से इन विषयों पर प्रश्न पूछे और ज्ञान प्राप्त किया।

इस प्रकार, प्रकृति और जीवन के प्रति उनकी जिज्ञासा और समझ ने उनके व्यक्तित्व को आकार दिया।

विश्वेश्वरैया का शिक्षा और व्यावहारिक जीवन दृष्टिकोण

Prepzy

विश्वेश्वरैया ने शिक्षा को जीवन का आधार माना और ज्ञान की असीमितता को समझा। उन्होंने हमेशा समाधान खोजने की क्षमता विकसित की। उनका जीवन दर्शन था "पहले जानो, फिर करो।"

उन्होंने अपनी जरूरतों के लिए स्वयं कमाने का निर्णय लिया और ट्यूशन पढ़ाकर अपनी फीस और पुस्तकें खरीदीं। यह व्यावहारिक दृष्टिकोण उन्हें एक महान इंजीनियर और व्यावहारिक व्यक्ति बनाता है।

प्रमुख भाव और विषय

- प्रकृति की शक्ति और उसकी महत्ता
- गरीबी और सामाजिक असमानता की समस्या
- ज्ञान की असीमता और जीवन भर सीखने की आवश्यकता
- राष्ट्रीयता और देशभक्ति की भावना
- व्यावहारिकता और समाधान खोजने की क्षमता

पाठ्य प्रमाण एवं उदाहरण

"[illegible] [illegible] [illegible] [

□□□□ 2 – □□□□□

- □□□□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□-□□□□ □□□□?
- □□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□?
- □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□?

□□□□ 3 – □□□□

- □□□□□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□?
- □□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□?
- □□□□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□?

□□□□□ □□□□□

□□□□ 1 – □□□

- □□□□□□□□□□□□□ □□ □□□□ 15 □□□□□□ 1861 □□ □□□□□ □□ □□□□□□□□□□□□□ □□□ □□□ □□□
- □□□□□□□□ □□□□□□, □□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□
- □□□□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□

□□□□ 2 – □□□□□

- □□□□□□□□□□□□□ □□ □□□□□, □□□, □□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□
- □□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□, □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□□□□ □□□□
- □□□□ □□□□ □□□□□ □□ "□□□□ □□□□, □□□ □□□□" □□ □□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□

□□□□ 3 – □□□□

- विश्वेश्वरैया के जीवन से हमें शिक्षा, मेहनत, और व्यावहारिकता की प्रेरणा मिलती है।
- उन्होंने शिक्षा को जीवन का आधार माना और हमेशा समाधान खोजने की क्षमता विकसित की।
- राष्ट्रीयता की भावना उनके जीवन में तब जागी जब उन्होंने ब्रिटिश शासन की स्थिति को समझा और देश के लिए काम करने का संकल्प लिया।

त्वरित संदर्भ

- जन्म : 15 सितंबर 1861, मैसूर
- प्रमुख विषय: प्रकृति, गरीबी, शिक्षा, राष्ट्रीयता
- जीवन दर्शन : "पहले जानो, फिर करो"
- प्रमुख उपलब्धि : महान इंजीनियर और देशभक्त

शब्दावली

- प्रकृति : प्राकृतिक वातावरण
- असीम: अनंत, असीमित
- राष्ट्रीयता : अपने देश के प्रति प्रेम और समर्पण
- व्यावहारिक : व्यवहार में उपयोगी
- संकल्प : दृढ़ निश्चय
- गरीबी : आर्थिक अभाव

Prepzy

